Total No. of Printed Pages—4

1 SEM TDC HND MIL (A) 1

2017

(November)

HINDI

(Modern Indian Language)

(Arts)

Course : 101

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

Candidates ***eligible*** *for Internal Assessment shall answer Question Nos.* ***1*** *to* ***7***

Full Marks : 80
Pass Marks : 32/24

Candidates ***not eligible*** *for Internal Assessment shall answer Question Nos.* ***1*** *to* ***8***

Full Marks : 100
Pass Marks : 40/30

8×3=24

सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) माया महाठगिनि हम जानी।
तिरगुन फाँसि लिये कर डोले, बोलै मधुरी बानी॥
केशव के कमला होई बैठी, सिव के भवन भवानी।
पंडा के मूरत होय बैठी, तीरथ हु में पानी॥
जोगी के जोगिन होइ बैठी, राजा के घर रानी।
काहू के हीरा होइ बैठी, काहू के कौड़ी कानी॥
भक्तन के भक्तिन होइ बैठी, ब्रह्मा के ब्रह्मानी।
कहैं कबीर सुनो भाई साधो, यह सब अकथ कहानी॥

(Turn Over)

अथवा

राम राज नभगेस सुनु सचराचर जग माहिं।
काल कर्म सुभाव गुन कृत दुख काहुहि नाहिं॥
दंड जतिन्ह कर भेद जहँ नर्तक नृत्य समाज।
जीतहु मनहि सुनिअ अस रामचन्द्र के राज॥

(ख) धर्म-ग्रंथ सब जला चुकी है
जिसके अन्तर की ज्वाला
मंदिर, मस्जिद, गिरजे-सबको
तोड़ चुका जो मतवाला
पंडित, मोमिन, पादरियों के
फंदों को जो काट चुका
कर सकती है आज उसी का
स्वागत मेरी मधुशाला।

अथवा

रज-कण पर जल-कण हो बरसी
नव जीवन-अंकुर हो निकली!
पथ को न मलिन करता आना,
पद-चिह्न न देता जाना,
सुधी मेरे आगम की जग में
सुख की सिहरन हो अन्तखिली!

(ग) "स्त्रियों के इस बलिदान का भी कोई मूल्य नहीं। कितनी असहाय दशा है। अपने निर्बल और अवलम्बन खोजने वाले हाथों से यह पूरुषों के चरणों को पकड़ती है और वह सदैव ही इनकी तिरस्कार, घृणा और दुर्दशा की भिक्षा से उपकृत करता है।"

अथवा

"सौभाग्य और दुर्भाग्य मनुष्य की दुर्बलता के नाम है। मैं तो पुरुषार्थ को ही सबका नियामक समझता हूँ। पुरुषार्थ ही सौभाग्य को खींच लाता है।"

(Continued

2. गोस्वामी तुलसीदास ने रामराज्य की परिकल्पना किस प्रकार की है? पठित कविता के द्वारा वर्णन कीजिए। 7

अथवा

कबीरदास की भक्ति-भावना किस प्रकार का है? पठित पदों के द्वारा स्पष्ट कीजिए।

3. 'मैं नीर भरी दुःख की बदली' **अथवा** 'वे और तुम' कविता का सारांश लिखकर कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए। 11

4. "'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की मूल समस्या नारी समस्या है।" तर्कपूर्ण विवेचना कीजिए। 6

अथवा

अभिनेयता की दृष्टि से 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के गुण-दोषों का विवेचन कीजिए।

5. असमिया समाज और साहित्य के क्षेत्र में ज्योतिप्रसाद अगरवाला के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए। 8

अथवा

असमिया साहित्य के क्षेत्र में लक्ष्मीनाथ बेजबरुआ का क्या स्थान है? वर्णन कीजिए।

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×4=16

(क) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के आधार पर कोमा **अथवा** मंदाकिनी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) "यह कथा ज्योति की है अंधों के माध्यम से" —कवि का आशय क्या है?

(ग) "माया महाठगिनि हम जानी।
तिरगुन फाँसि लिये कर डोले, बोलै मधुरी बानी।"
कवि के अनुसार माया किस प्रकार का है?

(Turn Over)

(घ) "जप माला छापै तिलक सरे न एकौ कामु।
मन काँचै नाचै बृथा, साँचै राँचै रामु॥"
अर्थ स्पष्ट कीजिए।

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×8=8

(क) 'कोमा' के निर्मल प्रेम को विश्वासघात किसने की है?

(ख) प्रसाद जी की अंतिम तथा अन्यतम नाट्यकृति का नाम बताइए।

(ग) हिन्दी साहित्य के भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जी का जो स्थान है वही स्थान असमिया साहित्य में किसे दिया जाता है?

(घ) ज्योतिप्रसाद अगरवाला को स्नेह से दिया गया उपाधि का नाम क्या है?

(ङ) 'बरगीत' किस भाषा में लिखी गयी है?

(च) 'साहित्य लहरी' किस भाषा में लिखी गयी है?

(छ) "है एक बहुत पतली डोरी मर्यादा की
पर वह भी उलझी है दोनों ही पक्षों में"—
यह पंक्ति किस कविता से उद्धृत है?

(ज) 'पत्रहीन नग्न गाछ' किसकी रचना है और किस पुरस्कार से सम्मानित था?

(In lieu of Internal Assessment)

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) नाटक के तत्त्वों के आधार पर 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की समीक्षा कीजिए।

(ख) असमिया साहित्य में महापुरुष शंकरदेव के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'अंधायुग' में वर्णित कथा को विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।